जेईई सेशन 2 के रिजल्ट से मिली परीक्षार्थियों को खुशियां

सुभाष एक्सीलेंस के बच्चों ने लहराया परचम

- जेईई की तैयारी में विद्यार्थियों ने फोन से बनाई दूरी
- महीने में 2 से 4 बार कर रहे फोन का उपयोग

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अप्रैल. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2026 के दूसरे सत्र का परिणाम जारी कर दिया है. बता दें इस बार कुल 10 लाख 34 बजार 330 से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 11 लाख से ज्यादा ने पंजीकरण कराया था.

टॉपर्स राज्यों की सूची में तेलंगाना और आंध्रप्रदेश सबसे ऊपर हैं. साथ ही 100 पर्सेंटाइल प्राप्त करने की सूची में कुल 26 विद्यार्थियों ने अपना नाम दर्ज कराया है. हालांकि मध्यप्रदेश शीर्ष स्कोर करने वाले राज्यों में पीछे है. लेकिन इस बार भी भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और आकाश इंस्टीट्यूट के बच्चों ने 99 पर्सेंटाइल के साथ जिले की वरीयता सूची में अपना नाम दर्ज कराया है. वहीं इंजीनियरिंग प्रवेश के इस बड़े इम्तिहान को जीतने इस बार भोपाल के विद्यार्थियों ने मोबाइल से दूरी बनाकर जेईई एडवांस के लिये तैयारी में जुट गये हैं.

शहर के इन सितारों ने हासिल की सफलता

मैं पिछले 2 साल से तैयारी कर रहा हूं. पढ़ाई का रूटीन सेट कर रखा था उसी के अनुसार पढ़ता हूं. फिलहाल आगे एडवांस पर फोकस है, उसके बाद जैसा भी रिजल्ट होगा उसके आधार पर सीएस या इलेक्ट्रिकल ब्रांच में जाना चाहूंगा क्योंकि मुझे शुरुवात से ही इस फील्ड में रुचि रही है.

अनुज सिंह, रैंक - 1193

रोज का टारगेट सेट करता था और उसी को पूरा करता था. फिलहाल मेरा फोकस जेईई एडवांस के एग्जाम पर है. इसके लिए तैयारी कर रहा हूं. रोज मॉक टेस्ट देना, डेली का टारगेट पूरा करना और स्ट्रेस फ्री रहकर पढ़ने की कोशिश करता हूं. आगे कंप्यूटर साइंस से आईआईटी करना चाहता हूं.

तनिष्क सिंघल, रैंक- 1284

ज्ञानेन्द्र सिंह का पूरा फोकस शुरू से ही पढ़ाई पर रहा है. फिलहाल वो दक्षना वैली पुणे में रहकर जेईई एडवांस की तैयारी कर रहा है. वह मोबाइल फोन का बहुत सीमित उपयोग करते हैं. महीने में दो से चार बार ही फोन पर परिजनों से बात हो पाती है.

ज्ञानेन्द्र सिंह, 99.33 पर्सेंटाइल

रिषभ साहू भी पुणे में है, वो वहीं रहकर पढ़ाई करता हैं. उनके पास भी मोबाइल फोन नहीं है. अब वो जेईई एडवांस की परीक्षा की तैयारी में व्यस्त है. रिषभ ने खुद ही पुणे जाने का और फोन से दूरी बनाकर पढ़ाई करने का निश्चय किया है.

रिषभ साहू, 99.37 पर्सेंटाइल

बारातियों को मीठा खाना पड़ा भारी, 150 लोग बीमार

धार. जिले की बदनावर तहसील के ग्राम बखतपुरा में शादी समारोह के दौरान दूषित मिठाई खाने से 150 से अधिक लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई. रतलाम जिले से आई बारात में मेहमानों ने कलाकंद और आलू बड़े का नाश्ता किया था. इसके करीब डेढ़ घंटे बाद ही बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और घबराहट की शिकायत होने लगी. जानकारी के अनुसार ग्राम बखतपुरा निवासी राधेश्याम पटेल के परिवार में शादी थी. नाश्ते के बाद मेहमानों को बेचैनी और उल्टी की शिकायत होने पर उन्हें गांव के साथ ही भैंसोला, धारसीखेड़ा, संदला, तिलगारा सहित आसपास के अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में भर्ती कराया गया.

मध्यप्रदेश में उमस भरी गर्मी से राहत नहीं

खजुराहो में 43 डिग्री तापमान दर्ज

भोपाल, 21 अप्रैल. मध्यप्रदेश में इस समय भीषण गर्मी ने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है. हालात यह हैं कि दिन के साथ-साथ अब रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही. प्रदेश के कई शहरों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है.

सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा नजर आने लगा है और लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं. तेज धूप और लू से बचने के लिए लोग सावधानी बरत रहे हैं, खासकर महिलाएं और युवतियां चेहरे को कपड़े से ढंककर बाहर निकल रही हैं. मौसम विभाग ने इस बार प्रदेश में पहली बार 'वॉर्म नाइट' का अलर्ट जारी किया है. भोपाल समेत सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में रात का तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की संभावना जताई गई है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री अधिक हो और दिन का तापमान 40 डिग्री या उससे ऊपर रहे, तो उसे वॉर्म नाइट कहा जाता है.

> प्रदेश के सबसे गर्म शहरों की बात करें तो खजुराहो में 43 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, जबकि दतिया, रतलाम, सीधी, रीवा और श्योपुर जैसे शहरों में भी पारा 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है. ग्वालियर में 42.5 डिग्री, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी तापमान 39 डिग्री के करीब दर्ज किया गया. आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने के आसार हैं. अप्रैल और मई को गर्मी का पीक सीजन माना जाता है, और इस बार भी यही स्थिति बनती नजर आ रही है.

मैनिट में पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन शुरू, 20 मई तक मौका

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अप्रैल. भोपाल के प्रतिष्ठित संस्थान मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान -मैनिट- में शैक्षणिक सत्र जुलाई 2026 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है. संस्थान ने पूर्णकालिक और अंशकालिक दोनों श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए हैं.

इच्छुक अभ्यर्थी 20 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. संस्थान द्वारा जारी सूचना के अनुसार पूर्णकालिक श्रेणी में संस्थान फेलोशिप के साथ लगभग 200 सीटें उपलब्ध हैं. वहीं यूजीसी नेट या सीएसआईआर जेआरएफ के साथ प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए सीटों की कोई निश्चित सीमा नहीं रखी गई है. स्ववित्तपोषित और प्रायोजित श्रेणियों में भी सीमित सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा. अंशकालिक पीएचडी में कार्यरत पेशेवरों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न श्रेणियां रखी गई हैं जिनमें सीटों की कोई तय सीमा नहीं है. जबकि प्रोजेक्ट आधारित उम्मीदवारों को फेलोशिप के साथ शोध का अवसर मिलेगा. संस्थान प्रशासन ने अभ्यर्थियों को समय सीमा के भीतर आवेदन करने की सलाह दी है. अधिक जानकारी और आवेदन प्रक्रिया संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है.

सरकार के प्रयास को किया बाधित : प्रहलाद

> विधानसभा के विशेष सत्र को जिस उद्देश्य से बुलाया गया था, उसे बाधित करना लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है. जिला पंचायतों की आगामी सामान्य सभा में भी यह प्रयास रहेगा कि राज्य में पहले से लागू 50 प्रतिशत महिला आरक्षण के संदर्भ में मातृशक्ति अपनी भावनाएं और अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से व्यक्त करें. नारी सशक्तिकरण आज देश की राजनीति का एक महत्वपूर्ण और केंद्रीय विषय बन चुका है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

भोपाल, 21 अप्रैल. मध्यप्रदेश के श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में केंद्र सरकार के रचनात्मक प्रयास को जिस प्रकार बाधित किया गया, उससे पूरे देश में उभरती नारी शक्ति में स्वाभाविक नाराजगी देखी जा रही है. श्री पटेल ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मीडिया से चर्चा में कहा कि यह केवल महिलाओं के सम्मान का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न करने का गंभीर मामला भी है.

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की कार्यवाही को इस प्रकार बाधित करना भारतीय राजनीति में एक अपवाद जैसा है, जो अत्यंत चिंताजनक है. प्रतिपक्ष के दल चाहे कांग्रेस हो या अन्य क्षेत्रीय दल, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न होने देने के लिए समान रूप से जिम्मेदार प्रतीत होते हैं.

इस प्रकार की बाधाओं से राष्ट्र के विकास की गति प्रभावित होती है, जो कभी भी देशहित में नहीं हो सकता.

उन्होंने कहा कि विधानसभा के विशेष सत्र में भी अवरोध उत्पन्न कर लोकतांत्रिक मूल्यों को आहत किया गया है. देश की नारी शक्ति इस तरह की स्थिति को लेकर सजग है.

उपार्जन केंद्रों की शिकायतों पर सख्ती, जांच दल गठित

नवभारत न्यूज

रतलाम. रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत उपार्जन कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और किसानों की शिकायतों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी उपार्जन नीति के पालन में कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने जांच दल का गठन किया है. यह जांच दल सेवा सहकारी संस्था बिलपांक के उपार्जन केंद्र क्रमांक 1 एवं 2 तथा तिरूपति वेयरहाउस, सिनोद में किसानों से प्राप्त शिकायतों की विस्तृत जांच करेगा. गठित पांच सदस्यीय दल में तहसीलदार आशीष उपाध्याय, जिला आपूर्ति अधिकारी आनंद गोले, महाप्रबंधक सीसीबी आलोक जैन, उपयंत्री सीसीबी शैलेष खरे तथा जिला प्रबंधक एम. पी. डब्ल्यू. एल. सी शुभम भरने को शामिल किया गया है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में उपार्जन केन्द्रो पर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन किया जा रहा है.

आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी : रागिनी

आधी आबादी 33% आरक्षण के अधिकार को हर हाल में हासिल करेगी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 21 अप्रैल. कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बावजूद महिलाओं को आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी की जा रही है.

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुश्री नायक ने कहा कि 'आधी आबादी' अपने 33 प्रतिशत आरक्षण के अधिकार को हर हाल में हासिल करेगी, चाहे इसके लिए कितनी भी राजनीतिक बाधाएँ क्यों न हों.

परिसीमन को राजनीतिक हथियार बनाया गया

विपक्ष की एकता ने विभाजनकारी संशोघन रोका

> कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का हवाला देते हुए सुश्री नायक ने कहा कि पार्टी महिलाओं को आरक्षण दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाएँ भी शामिल हैं. उन्होंने राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया और आगामी मानसून सत्र में 'पूर्ण राजनीतिक सहमति' के साथ महिला आरक्षण लागू करने की मांग की.

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परिसीमन को एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जिससे दक्षिणी और छोटे राज्यों के प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है.

नायक ने 17 अप्रैल को विपक्ष की एकजुटता को श्रेय देते हुए कहा कि इसने 'विभाजनकारी संवैधानिक संशोधन' को रोक दिया, जिसे उन्होंने लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता की जीत बताया. उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून आज भी प्रभावी है, लेकिन सरकार की निष्क्रियता के कारण लागू नहीं हो पा रहा है.

विशेष सत्र को लेकर उमंग सिंघार ने उठाए सवाल

विशेष संवाददाता

भोपाल, 21 अप्रैल. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम पर 27 अप्रैल को विशेष विधानसभा सत्र बुलाने के मध्य प्रदेश सरकार के निर्णय पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का महिलाओं के अधिकार और आरक्षण के मुद्दे पर रुख हमेशा स्पष्ट और मजबूत रहा है.

सिंघार ने एक बयान में आरोप लगाया कि 'नारी शक्ति' के नाम पर राजनीतिक अवसर दिखाई देते ही इस तरह के विशेष सत्र बुलाए जाते हैं. उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस 543 लोकसभा सीटों के आधार पर महिलाओं को आरक्षण देने के पक्ष में है और किसी भी ईमानदार पहल का समर्थन करेगी. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महिला सशक्तिकरण की आड़ में संविधान से छेड़छाड़ की कोशिश की गई, तो उसका कड़ा विरोध किया जाएगा. उन्होंने शासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए दूषित कफ सिरप से मौत, असुरक्षित पेयजल, नवजात शिशुओं की सुरक्षा में लापरवाही तथा ओबीसी और आदिवासी वर्ग के साथ अन्याय जैसे मुद्दे भी उठाए.

भाजपा के जिला कार्यालयों के निर्माण के संबंध में बैठक

भोपाल. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 19 निर्माणाधीन जिला कार्यालयों के संदर्भ में जिला अध्यक्षों एवं जिला कार्यालय निर्माण समिति के सदस्यों की बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र बरुआ, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, टोली सदस्य गौरव गर्ग एवं अनंत मुकाती उपस्थित रहे.

बढ़ते अपराधों पर व्यापारियों ने घेरा थाना

जबलपुर. महिला संबंधित अपराधों के बढने और दुष्कर्म पीड़िता की पहचान को उजागर करने वालों पर कार्रवाई को लेकर कांचघर चुंगी चौकी व्यापारी संघ ने मार्चा खोल दिया. आक्रोशित व्यापारियों ने थाने का घेराव किया. घमापुर क्षेत्र में बढ़ते महिला अपराधों के चलते क्षेत्र की महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित एवं भयभीत महसूस कर रही है. दुष्कर्म पीड़िता की पहचान उजागर करने एवं उसका चरित्र हनन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कठोर कार्यवाही की जाएं. सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर पीड़िता से संबंधित भ्रामक एवं अवैध सामग्री के प्रसार को तत्काल रोका जाए एवं उसे हटवाया जाएं.

भोपाल होकर संचालित 4 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित

भोपाल, 21 अप्रैल. भोपाल से जारी सूचना के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनों के मार्ग अस्थायी रूप से बदल दिए गए हैं. ये सभी ट्रेनें भोपाल मंडल से होकर गुजरती हैं और इनका परिवर्तन 25 अप्रैल (यात्रा प्रारंभ तिथि) से लागू रहेगा.

प्रभावित ट्रेनों में 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस, 13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस, 15945 लोकमान्य तिलक-दरभंगा एक्सप्रेस तथा सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस शामिल हैं. इन सभी ट्रेनों को अब परिवर्तित मार्ग पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन - गया - जहानाबाद - पटना के रास्ते चलाया जाएगा.

इसके अलावा, 15945 लोकमान्य तिलक-दरभंगा एक्सप्रेस इस अवधि में दिलदारनगर, बक्सर, डुमरांव, आरा और दानापुर स्टेशन पर नहीं रुकेगी. वहीं सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस दिलदारनगर, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों को छोड़कर चलेगी. रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले एनटीईएस, हेल्पलाइन 139 या रेल मदद के माध्यम से अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके.

मार्ग में किया अस्थायी बदलाव

भोपाल मंडल की तरफ से जारी सूचना के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण भोपाल मंडल से होकर चलने वाली कई ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी बदलाव किया गया है. इन ट्रेनों को निर्धारित तिथियों में अपने मूल मार्ग की बजाय प्रयागराज छिवकी स्टेशन के रास्ते संचालित किया जाएगा. ब्लॉक अवधि के दौरान इन मार्ग परिवर्तित ट्रेनों का प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर 2 मिनट का अस्थायी ठहराव भी दिया गया है, जिससे यात्रियों को सुविधा मिल सके. प्रभावित ट्रेनों में अहमदाबाद-दरभंगा, दरभंगा-अहमदाबाद, गोरखपुर-लोकमान्य तिलक, रक्सौल-लोकमान्य तिलक, पुणे-दरभंगा, दादर-बलिया/ गोरखपुर स्पेशल, पुणे-बनारस, छपरा-लोकमान्य तिलक, रांची-लोकमान्य तिलक तथा अहमदाबाद-पटना जैसी कुल 19 ट्रेनें शामिल हैं, जो 24 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच अलग-अलग तिथियों में प्रभावित रहेंगी. इसके अतिरिक्त, गाड़ी संख्या 11072 बलिया-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग जंघई-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-झांसी-बीना होकर चलाया जाएगा. यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य जांच लें.

आरोप पटवारी ने कथित पत्र मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर प्राथमिकी का मुद्दा उठाया

असहमति की आवाज को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 21 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे के सोशल मीडिया पर वायरल कथित पत्र को लेकर उपजे विवाद पर भाजपा पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने पारदर्शिता, राजनीतिक मंशा और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर चिंताएं जताई हैं.

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पटवारी ने कहा कि यह पत्र महज एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि एक ऐसा दस्तावेज़ है जो महिलाओं के आरक्षण की आड़ में संभावित अनियमित परिसीमन जैसे गंभीर मुद्दों की ओर संकेत करता है. उन्होंने जोर दिया कि पत्र में उठाए गए प्रश्न लोकतांत्रिक निष्पक्षता से सीधे जुड़े हैं और इस पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी तथा समयबद्ध जांच होनी चाहिए.

घटनाओं के क्रम पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि 15 तारीख को लिखा गया यह पत्र सार्वजनिक होने के बाद व्यापक चर्चा में आया, लेकिन कुछ ही दिनों में राजे ने इसका खंडन कर दिया. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह खंडन स्वेच्छा से किया गया या किसी दबाव में आकर और आरोप लगाया कि भाजपा में असहमति की आवाज़ों को दबाने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है. पटवारी ने कहा कि यदि पत्र में कही गई बातें निराधार हैं तो भाजपा को तथ्यों के साथ इसका स्पष्ट खंडन करना चाहिए, लेकिन यदि इसमें सच्चाई का अंश है तो उससे ध्यान भटकाने के बजाय उस पर गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए.

> उन्होंने सोशल मीडिया पर पत्र साझा करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर की भी आलोचना करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला और राजनीतिक असहिष्णुता का संकेत बताया. उन्होंने कहा कि चुनिंदा कार्रवाई कानून के दुरुपयोग की ओर इशारा करती है और कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी तथा पारदर्शिता और लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए संघर्ष जारी रखेगी.

पशु तस्करी पर पुलिस का बड़ा अभियान

178 गौवंश, अन्य मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराया

विशेष संवाददाता

भोपाल, 21 अप्रैल. मध्य प्रदेश पुलिस ने अवैध गौवंश परिवहन और पशु तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है.

हालिया समन्वित कार्रवाई में पुलिस ने 178 गौवंश एवं अन्य मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराया है, साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को भी जब्त किया गया है. अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई सक्रिय पुलिसिंग, जिलों के बीच बेहतर समन्वय और तकनीकी निगरानी के माध्यम से संभव हो सकी.

अभियान के तहत कई संगठित गिरोहों पर भी शिकंजा कसा गया है. सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र में पुलिस ने एक कंटेनर ट्रक को रोककर 53 भैंस और पड़वों को मुक्त कराया तथा चार आरोपियों को गिरफ्तार किया.

> शिवपुरी के कोलारस में 31 गौवंश को अवैध परिवहन से छुड़ाया गया, जबकि पन्ना में पांच फरार आरोपियों को पकड़कर 14 मवेशी और वाहन जब्त किया गया. शहडोल के देवलोंद में 36 मवेशियों की जब्ती के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जहां जब्त संपत्ति की कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है. इसी तरह बड़वानी, राजगढ़ और सीहोर में भी कार्रवाई कर पशु तस्करी और चोरी से जुड़े मामलों का खुलासा किया गया. खरगोन और बुरहानपुर में भी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए पशुओं, जिसमें एक बैल जोड़ी भी शामिल है, को बरामद किया.